राजा रघुवंशी हत्याकांड : गवाहियों का अगला चरण तय

- कोर्ट ने की सुनवाई तेज, अब इंदौर से बुलाए जाएंगे नए गवाह
- विपिन रघुवंशी के बयान पूरे, आरोपी सोनम से भाई की शिलांग में मुलाकात का दावा

नव भारत न्यूज

इंदौर. राजा रघुवंशी हत्याकांड की सुनवाई नए मोड़ पर पहुंच गई है. राजा के भाई विपिन रघुवंशी के शिलांग कोर्ट में तीन दिनों तक चले बयानों के बाद अब कुछ और गवाहों को इंदौर से बुलाए जाने की तैयारी है.

विपिन का दावा है कि कोर्ट में पेशी के बाद उन्हें सूचना मिली कि दिसंबर में ही इंदौर के कुछ लोगों की गवाही होना तय है. ये लोग कौन हैं इस बारे में उन्होंने नाम बताने से साफ इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि सूची तैयार है, बुलावा किसी भी समय आ सकता है. ज्ञात हो कि शहर के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में राजा के भाई विपिन रघुवंशी हाल ही में दूसरी बार शिलांग कोर्ट पहुंचे थे, जहां 26 नवंबर से तीन दिन तक उनके बयान और क्रॉस एग्जामिनेशन हुए. इस दौरान हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी, राज कुशवाह और अन्य आरोपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्क्रीन पर सामने आए. विपिन का कहना है कि उन्होंने सभी को पहले से अलग- नए कपड़ों में देखा. विपिन रघुवंशी ने बताया कि वे अपने भाई राजा को भले बचा नहीं पाए,

> लेकिन न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर लड़ाई जारी रखे हुए हैं. उन्हें विश्वास है कि कोर्ट सच्चाई सामने लाएगा और आरोपियों को सख्त सजा मिलेगी. इसी दौरान एक और दावा सामने आया है कि सोनम का भाई गोविंद हाल ही में शिलांग जाकर अपनी बहन से मिला है, स्थानीय लोगों से उन्हें जानकारी मिली कि गोविंद न सिर्फ सोनम से मिला बल्कि ठंड से बचाव के लिए कपड़े भी देकर आया है. शिलांग जाने से पहले ही विपिन को इस मुलाकात की आशंका थी, जिसकी पुष्टि वहां मौजूद लोगों ने कर दी. इस हत्याकांड से सूत्रों का कहना है कि गवाहों की अगली खेप में इंदौर से जिन लोगों को बुलाया जाना है, वे मामले के लिए अहम माने जा रहे हैं. इससे हत्याकांड की सुनवाई और धारदार होने की उम्मीद जताई जा रही है.

तेंदुए के अंगों के लिए शिकार, फैली सनसनी

- शव दूसरी जगह से लाकर फेंके जाने के संकेत
- वन-राजस्व सीमा पर मिली संदिग्ध लोकेशन

नव भारत न्यूज

इंदौर. डबलचौकी वन क्षेत्र में शनिवार शाम तीन वर्षीय तेंदुए का बर्बर शिकार सामने आने के बाद पूरे वन अमले में हड़कंप मचा है. सड़क किनारे गड्ढे में पड़े शव की जांच में स्पष्ट हुआ कि तेंदुए को अंगों के लिए मारकर दूसरी जगह से यहां लाया. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने पुष्टि की कि उसकी मौत फंदा कसने से हुए तीव्र रक्तस्राव के कारण हुई और शरीर के कई हिस्से शिकारियों ने काट लिए थे.

घटनास्थल का मुआयना करने पर परिस्थिति शुरुआती आशंकाओं से कहीं अधिक गंभीर दिखी. जहां शव मिला, वहां न खून था, न संघर्ष के निशान और न ही घसीटने के कोई सबूत. इसके बावजूद शव पर संघर्ष के कई स्पष्ट संकेत मौजूद थे. इससे यह आशंका मजबूत हुई कि तेंदुए को कहीं और मारकर रात में सीमा क्षेत्र के इस सुनसान हिस्से में फेंका. शव के पास क्लच वायर का फंदा मिला, जिसका एक हिस्सा तेंदुए के शरीर पर लिपटा हुआ था. पोस्टमॉर्टम में सामने आया कि आगे के दोनों पंजे धारदार हथियार से काटे गए थे. ऊपर के नुकीले कैनाइन दांत मशीननुमा औजार से काटे गए थे. नाखून भी निकाल लिए गए थे. शव पर फंदे के कसने के गहरे निशान स्पष्ट थे और कहीं भी सड़क दुर्घटना जैसी चोट नहीं मिली. डबलचौकी के जंगलों में हुए इस जघन्य शिकार ने वन्यजीव सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को फिर सामने ला दिया है. जांच अब उन बिंदुओं पर केंद्रित है, जो सीधे संगठित वन्यजीव तस्करी रैकेट की ओर इशारा करते हैं.

वन राजस्व सीमा शिकारियों का पसंदीदा इलाका

जिस स्थान पर शव मिला, वह वन और राजस्व भूमि की सीमा पर आता है. अधिकारी मानते हैं कि ऐसे इलाके शिकारियों के लिए आसान छुपाव स्थल होते हैं क्योंकि निगरानी कम रहती है. प्रारंभिक जांच में साफ है कि यह शिकार महज मौत नहीं, बल्कि अंगों की तस्करी से जुड़ी सुनियोजित आपराधिक गतिविधि का हिस्सा हो सकता है. विभाग की टीमें तेंदुए को मारने की असली लोकेशन, शिकारियों के नेटवर्क और उनसे जुड़े लोगों की तलाश में जुटी हैं.

डॉग स्क्वाड फॉर्म हाउस तक पहुंचकर रुका-रविवार सुबह एसटीएसएफ और डॉग स्क्वाड ने लगभग तीन किलोमीटर के दायरे में सर्च अभियान चलाया. डॉग स्क्वाड एक नजदीकी फॉर्म हाउस तक जाकर रुका, जिसके बाद टीम ने आसपास की जांच और तेज कर दी. स्थानीय ग्रामीणों ने भी कुछ संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी साझा की है, जिन्हें जांच में शामिल किया जा रहा है.

स्थल की रातभर सुरक्षा, प्रोटोकॉल के तहत अंतिम संस्कार-शव मिलने के बाद वन अमले ने रातभर स्थल को सुरक्षित रखा. इंदौर रेंज एसटीएसएफ और डॉग स्क्वाड की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची. पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा पोस्टमॉर्टम के बाद तेंदुए का अंतिम संस्कार वन्यजीव संरक्षण प्रोटोकॉल के अनुसार करवा दिया है.

नशे के लिए छीनकर बेचता था मोबाइल

- पलासिया पुलिस ने शातिर झपटमार को पकड़ा
- 5 मोबाइल और बाइक बरामद, नाबालिग भी हिरासत में

नव भारत न्यूज

इंदौर. पलासिया पुलिस ने शहर में मोबाइल झपटमारी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर बदमाश को उसके नाबालिग साथी सहित गिरफ्तार किया है. पकड़े गए आरोपी 21 वर्षीय रिषी उर्फ गोल्डी, निवासी मानवता नगर, भूरी टेकरी, थाना कनाडिया, पर पहले से कई मामले दर्ज हैं. पुलिस ने इनके कब्जे से पांच स्मार्टफोन और वारदातों में इस्तेमाल की जाने वाली मोटरसाइकिल जब्त की

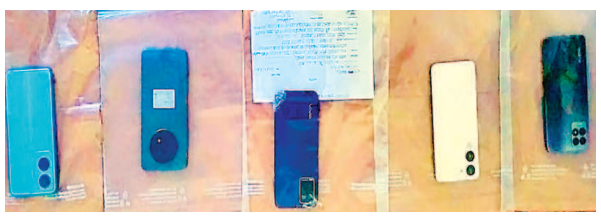

है, जिसकी कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई जा रही है.

थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि पलासिया पुलिस लगातार निगरानी और गोपनीय सूचना संकलन कर रही थी. इसी दौरान जांच में जुटी टीम को मुखबिर से आरोपी के हुलिए की जानकारी मिली. सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने संदिग्धों को रोका तो उन्होंने अपना परिचय रिषी उर्फ गोल्डी और एक विधि खिलाफ बालक के रूप में दिया. तलाशी में दोनों के पास से 5 मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई. पूछताछ में रिषी ने स्वीकार किया कि वह नशे की लत पूरी करने के लिए राहगीरों से मोबाइल छीनता था और बाद में उन्हें सस्ते दामों पर बेच देता था. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच फोन और एक मोटरसाइकिल जब्त की है. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर आगे की जांच शुरू कर दी है.

कार की टक्कर से छात्र की मौत

- कार चालक फरार, पुलिस सीसीटीवी में तलाश रही सुराग

नव भारत न्यूज

इंदौर. आजाद नगर क्षेत्र में रविवार देर रात हुए सड़क हादसे ने एक परिवार का इकलौता सहारा छीन लिया. हंस ट्रेवल्स ऑफिस के पास स्पोर्ट्स बाइक सवार 22 वर्षीय छात्र की अज्ञात कार की टक्कर में मौत हो गई. घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया. पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दी है.

सागर जिले के बंदरी निवासी संस्कार तिवारी देर रात अपने दोस्त प्रवीण को भंवरकुआ क्षेत्र में छोड़कर वापस लौट रहा था. दोनों कुछ देर ट्रेवल्स ऑफिस के पास खड़े रहे. प्रवीण फोन पर बात कर रहा था, उसी बीच संस्कार बाइक मोड़ते ही तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सीधे डिवाइडर में जा घुसी और वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया. कुछ ही देर बाद जब प्रवीण ने सड़क पर भीड़ देखी तो वह मौके पर पहुंचा और संस्कार को लहूलुहान हालत में पाया. तुरंत उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. संस्कार अपने दोस्तों से मिलने इंदौर आया था और भंवरकुआ स्थित एक फ्लैट में रुका हुआ था. उसके दोस्त आयुष ने बताया कि परिवार में माता-पिता और बड़ा भाई हैं. हादसे की सूचना मिलते ही परिजन इंदौर पहुंच गए. पुलिस वाहन की पहचान और चालक की तलाश में जुटी हुई है.

एक नजर में

पत्रकारों पर हमले के दो आरोपी पकड़ाए

इंदौर. आरटीओ कार्यालय में पत्रकार हेमंत शर्मा और राजा खान पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. तेजाजी नगर पुलिस ने आरोपी 47 वर्षीय आशीष पिता मुकेश शिरसाट निवासी नेहरू नगर रोड नंबर 4 और 50 वर्षीय नरेंद्र पिता शंकर गोस्वामी निवासी सुखलिया को पकड़ा है, दोनों पर हमले में शामिल होने के आरोप हैं. मामले में कुल सात आरोपी चिन्हित किए गए थे. इनमें से अब तक पाँच आरोपी पुलिस गिरफ्त से दूर हैं. उनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार हमलावरों को जल्द हिरासत में लिया जाएगा.

एमआर-9 सर्विस रोड पर चाकू के साथ युवक पकड़ा

इंदौर. विजयनगर पुलिस ने देर रात गश्त के दौरान एक युवक को अवैध चाकू के साथ पकड़ लिया. घटना रात करीब साढ़े नौ बजे एमआर-9 सर्विस रोड स्थित लोटस शोरूम के पास की है. विजय नगर थाना में पदस्थ उपनिरीक्षक अनिल कुमार पाठक की टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी, तभी संदिग्ध हालत में खड़े 33 वर्षीय किशन खत्री, निवासी जगजीवन राम नगर को रोका गया. तलाशी लेने पर उसके पास से धारदार चाकू बरामद हुआ. आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

महिला के पर्स से दो सोने के हार उड़ाए

इंदौर. अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े एक महिला को निशाना बनाते हुए दो अज्ञात महिलाओं ने उसके पर्स से सोने के दो हार चुरा लिए. घटना महुनाका पेट्रोल पंप के आगे स्थित मोड़ पर हुई. मरीमाता का बगीचा में रहने वाली 55 वर्षीय शिकायतकर्ता राजूबाई कुराड़िया थाने पहुंची और पुलिस को बताया कि वह बाजार से लौट रही थीं. तभी भीड़भाड़ के बीच दो महिलाएं उनके आसपास आईं और मौका मिलते ही उनके पर्स में रखे दो सोने के हार चोरी कर ले गईं. चोरी का पता बाद में चलने पर उन्होंने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई. पुलिस ने अज्ञात महिलाओं के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. मौके के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है.

सिरपुर तालाब की पाल पर जुआ खेलते तीन युवक गिरफ्तार

इंदौर. चंदननगर पुलिस ने सिरपुर तालाब की पाल पर जुआ खेल रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया. पुलिस को गश्त के दौरान यहां कुछ लोगों के संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त होने की सूचना मिली थी. प्रधान आरक्षक कैलाश की टीम मौके पर पहुंची तो 18 वर्षीय शुभम, 25 वर्षीय आकाश और 20 वर्षीय विक्रम, तीनों निवासी गदा टेकरी, धार रोड, ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगा रहे थे. पुलिस ने उन्हें घेराबंदी कर पकड़ा और जुआ सामग्री बरामद की. कार्रवाई में आरोपियों से 700 रुपए नकद और 52 ताश पत्ते जब्त किए गए. तीनों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई है.

दिल्ली से लौटे तो टूटा मिला ताला, फ्लैट पर कब्जे का आरोप

इंदौर. लसूड़िया क्षेत्र में एक व्यक्ति के किराये के फ्लैट पर कथित तौर पर अवैध कब्जा कर लेने का मामला सामने आया है. पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. लसूडिया थाने पहुंचे 42 वर्षीय शिकायतकर्ता विकास बेहरानी, निवासी गोयल नगर, ने बताया कि वह 9 जून को दोपहर करीब 2 बजे अपने किराये के फ्लैट 304, शिव वाटिका, एमआर-11 रोड पर ताला लगाकर दिल्ली चला गया था. लगभग डेढ़ माह बाद, 20 जुलाई को शाम 4 बजे वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि उनके फ्लैट का ताला टूटा हुआ था और उसकी जगह दूसरा ताला लगा दिया था. फ्लैट के अंदर किसी ने कब्जा कर लिया था, जिसकी उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई. विकास ने बताया कि जब उन्होंने मल्टी के चौकीदार लखन पाल से पूछा, तो उसने बताया कि यह कब्जा मकान मालिक और अन्य संबंधित लोगों द्वारा किया है. शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी पक्ष के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

किसान की जमीन पर चार करोड़ का फर्जी सौदा

- तुकोगंज पुलिस ने दो आरोपियों पर किया केस दर्ज
- स्टाम्प खरीदकर किया कूटरचित अनुबंध तैयार

नवभारत न्यूज

इंदौर. तुकोगंज पुलिस ने चार करोड़ रुपए के फर्जी जमीन सौदे का खुलासा करते हुए दो आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है. मामला वर्ष 2022 में तैयार किए गए एक कूटरचित अनुबंध से जुड़ा है, जिसमें किसान को बिना जानकारी के उसकी जमीन बेचने का प्रयास किया था.

शिकायत शासन की ओर से तुकोगंज के माध्यम से विजय भट्ट द्वारा दर्ज कराई गई. जांच में सामने आया कि आरोपी अनिल बोहरा, निवासी ग्राम मोडी (जिला आगर मालवा), ने 31 दिसंबर 2022 को स्टाम्प नंबर बीएक्स 942796 खरीदा था. उसी पर ग्राम डोकरपुरा के किसान अब्दुल रईस पिता अब्दुल रशीद की 3.378 हेक्टेयर कृषि भूमि का फर्जी विक्रय अनुबंध तैयार किया. इस दस्तावेज में जमीन का सौदा चार करोड़ रुपए दिखाया और भुगतान के रूप में 1 करोड़ 1 लाख रुपए की राशि किसान को दिए जाने का उल्लेख कर दिया. आरोप है कि इस अनुबंध पर किसान के फर्जी हस्ताक्षर किए गए और स्टाम्प के पीछे भी राशि प्राप्ति को दर्शाने के लिए जाली हस्ताक्षर दर्ज किए. जांच के दौरान पटवारी रामगोपाल रातड़िया का नाम भी सामने आया है,

युवती से बातचीत करने की रंजिश में की फायरिंग

- मोरोद में छात्र पर जानलेवा हमला, तीन घायल
- स्कार्पियो रोककर बदमाशों ने बरसाए डंडे

नव भारत न्यूज

इंदौर. तेजाजी नगर थाना क्षेत्र के मोरोद में एक युवती से बातचीत को लेकर चल रही रंजिश ने गंभीर रूप ले लिया. बदमाशों ने ग्रेजुएशन कर रहे एक छात्र पर रास्ता रोककर न केवल लाठी-डंडों से हमला किया, बल्कि उसे जान से मारने की नीयत से फायर भी कर दिया. हमले में छात्र सहित तीन लोग घायल हुए हैं.

फरियादी 20 वर्षीय राजीव पटेल निवासी मोरोद ने पुलिस को बताया कि वह इस्बा कॉलेज से ग्रेजुएशन कर रहा है. वह बीते छह माह से लोट्स गार्डन में रहने वाली एक युवती से बातचीत करता था. करीब एक सप्ताह पहले युवती के भाई करन मस्करा ने उसे दोबारा बात न करने की धमकी दी थी. राजीव ने बताया कि 30 नवंबर की रात वह दोस्त ईशु सिकरवार की बारात से लौटकर अरुण पटेल के साथ मोटरसाइकिल से मोरोद जा रहा था. ग्राम श्मशान घाट के पास एक काली स्कार्पियो और मारुति कार से श्याम मस्करा, करन मस्करा, जितेंद्र पटेल, बबलू चंदेल और अन्य युवक उतरकर आए और उसकी बाइक का रास्ता रोक लिया. सरकारी खंभे की रोशनी में वह सभी को पहचान सका. विरोध करने पर आरोपियों ने पहले गालियाँ दीं और फिर हाथ-मुक्कों से मारना शुरू किया. इसके बाद करन, जितेंद्र और बबलू गाड़ी से डंडे निकाल लाए और राजीव व अरुण पर हमला कर दिया. हमले के दौरान मुख्य आरोपी श्याम मस्करा ने बंदूक निकालकर राजीव पर सीधे फायर कर दिया. राजीव नीचे बैठ गया, जिससे गोली उसके पास से निकल गई और बड़ा हादसा टल गया. शोर सुनकर उसका बुआ का लड़का आशीष और उसका दोस्त लोकेश पहुंचे और बीच-बचाव करने लगे. हमले में राजीव के दाहिने पैर और दोनों हाथों में, आशीष के सिर, पैर और कंधों पर, जबकि अरुण की पीठ में चोट आई है.

> ### भीड़ बढ़ते ही भाग निकले आरोपी
>
> घटना सड़क से गुजर रहे रोहन, मोहित सहित कई ग्रामीणों ने देखी. भीड़ बढ़ते ही आरोपी स्कार्पियो और कार लेकर भाग निकले. जाते-जाते उन्होंने धमकी दी आज तो बच गए, आइंदा लड़की की तरफ देखा तो जान से खत्म कर देंगे. तेजाजी नगर थाना प्रभारी देवेन्द्र मरकाम का कहना है कि पुलिस ने राजीव की शिकायत पर श्याम मस्करा, करन मस्करा, जितेंद्र पटेल, बबलू चंदेल और अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले और मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश में कर रही है.

महिला के पेट से निकाली 15 किलो की दो गांठें

- एमवाय अस्पताल में खरगोन की महिला की दुर्लभ सर्जरी

नवभारत न्यूज

इंदौर. एमवाय अस्पताल के सर्जरी विभाग ने एक जटिल और जोखिमपूर्ण सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए खरगोन जिले की 50 वर्षीय महिला मसाली बाई की जान बचा ली. ग्राम दबिया निवासी यह मरीज पेट में लगातार बढ़ते दर्द और असामान्य सूजन की शिकायत के साथ विभागाध्यक्ष की यूनिट में भर्ती हुई थी. जांच में पाया गया कि मरीज के पेट में दो अत्यंत बड़ी गठानें मौजूद हैं, जिनका वजन मिलाकर लगभग 15 किलो तक पहुंच गया था.

डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने बताया कि गठानों का आकार इतना अधिक था कि पेट में अन्य अंगों पर भी दबाव बन रहा था, जिससे स्थिति लगातार जटिल होती जा रही थी. तय समय पर सर्जरी की गई और विशेषज्ञ टीम ने दोनों विशाल ट्यूमर सुरक्षित रूप से निकाल लिए. सर्जरी के बाद मरीज की हालत स्थिर रही और धीरे-धीरे स्वास्थ्य में सुधार होता गया, यह जटिल ऑपरेशन विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द शुक्ला और स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सोमेन भट्टाचार्जी के नेतृत्व में किया. टीम में डॉ. अविनाश गौतम, डॉ. उपेन्द्र पाण्डेय, डॉ. रामेंद्र गुर्जर सहित अन्य जूनियर चिकित्सक शामिल रहे. टीम के समन्वित प्रयासों से मरीज को बिना किसी जटिलता के सफल उपचार मिला. डीन डॉ अरविंद घनघोरिया ने नवभारत को बताया कि मरीज पूरी तरह स्वस्थ है और सभी पैरामीटर्स सामान्य पाए जाने पर उसे आज डिस्चार्ज कर दिया.

स्थापना दिवस पर बीएसएफ का सामाजिक सरोकार

- जरूरतमंदों को बांटे कपड़े, राशन और मिठाइयाँ

नव भारत न्यूज

इंदौर. सीमा सुरक्षा बल के 61वें स्थापना दिवस पर सीएसडब्ल्यूटी बीएसएफ इंदौर ने शहर में जरूरतमंदों तक मदद का हाथ बढ़ाया. इस अवसर पर कालानी नगर स्थित उन्मुक्त सेवा संस्थान और पीतृ पर्वत क्षेत्र में रहने वाले वंचित परिवारों को कपड़े, राशन और मिठाइयाँ वितरित की गईं.

कार्यक्रम में शामिल अधिकारियों और जवानों ने बताया कि स्थापना दिवस सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि समाज के प्रति कर्तव्य निभाने का अवसर भी है. उन्होंने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में योगदान देना भी बीएसएफ की प्राथमिकता है. सामग्री प्राप्त करने वाले लोगों ने बीएसएफ के इस कदम की सराहना की और जवानों को आशीर्वाद दिया. वहीं कार्यक्रम में शामिल बल के जवानों ने भी जरूरतमंदों की सेवा करने को सौभाग्य बताया.

एक नजर में

शहर के प्रत्येक नागरिक से आगे आने की अपील कर रहे

मिल परिसर के पेड़ों को काटने का पर्यावरण प्रेमी कर रहे विरोध

इंदौर. शहर की बंद पड़ी मिल परिसरों को व्यावसायिक विक्रय के लिए सैकड़ों पेड़ों को काटने के सरकारी फैसले पर विरोध तेज हो गया है. साथ ही बड़े आंदोलन की तैयारी भी की जा रही है.

पर्यावरण को नष्ट कर नुकसान पहुंचाने का मामला हुकुमचंद मिल क्षेत्र से सामने आया है, जहां वर्षों पहले मिलें संचालित हुआ करती थी जिससे सैकड़ों परिवार पलते थे. दिवालिया होने के बाद शहर की सभी मिलें बंद हो गई. इन मिलों की बेशकीमती जमीन पर सरकार की नजर पड़ चुकी है. अब सरकार मिल के अंदर सैकडों पेड़ों की बलि चढ़ाकर उसका विक्रय करने जा रही है. इसके बाद क्रैक करने वाली कंपनी को ज़मीन पर व्यवसायिक कॉम्पलेक्स या कॉलोनी काटने की अनुमति मिल जाएगी. वृक्षों की कटाई के फैसले के खिलाफ पिछले तीन वर्ष से स्थानीय समाजसेवियों व पर्यावरण प्रेमियों ने पिछले एक माह से नगर निगम व जिला प्रशासन, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री एवं पर्यावरण विभाग सहित विभिन्न कार्यालयों में आवेदन और ज्ञापन देकर आपत्ति दर्ज कराई है लेकिन अब तक शासन ने अपने निर्णय में कोई बदलाव नहीं किया है. लोगों का कहना है कि मिल परिसर के पेड़ शहर की हरियाली और पर्यावरण संतुलन के लिए बेहद जरूरी हैं. उन्होंने सरकार से मांग की है कि कॉलोनी निर्माण से पहले पर्यावरणीय प्रभाव का पुनः अध्ययन कर पेड़ों को संरक्षित रखने वाला विकल्प अपनाया जाए.

इनका कहना है . . .

चालीस से सौ वर्ष पुराने वयस्क पेड़ काटेंगे जो पर्यावरण वातावरण और मानव के लिए खतरा है. नए पौधे इतनी ऑक्सीजन नहीं बना पाते हैं. अस्सी प्रतिशत पौधे तो नष्ट हो जाते हैं.

- राहुल निहोरे, युवा समाजसेवी

एक तरफ शासन पर्यावरण संरक्षण पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर विकास के नाम पर वर्षों पुराने कीमती पेड़ों को काटने की तैयारी की जा रही है. शहर का पर्यावरण संतुलन बनाये रखने हेतु इन्हें बचाना बहुत जरूरी है.

- डॉ. दिलीप वागेला, पर्यावरण विद्

प्राकृतिक हरियाली और पेड़ की बलि देकर हर तरफ कांक्रीट का जंगल विकसित किया जा रहा है. पर्यावरण के साथ जैव विविधता को बचाने के लिए प्रत्येक नागरिक को आगे आकर जागरूक अभियान चलाना चाहिए.

- डॉ. ओ पी जोशी, पूर्व प्राचार्य, गुजराती साइंस कॉलेज